

“अध्यापकों के व्यक्तित्व का शिक्षण-अभिक्षमता पर प्रभाव: एक वर्णनात्मक व तुलनात्मक अध्ययन”

"The Effect of Teachers' Personality on Teaching Aptitude: A Descriptive and Comparative Study"

Anil Kumar Singh Kushwaha¹, Dr. Shelly²

¹Research Scholar, College of Education, IIMT University Meerut U.P. India.

Orcid ID- 0009-0009-0901-1404

²Associate Professor, Education IIMT University Meerut U.P. India.

Orcid ID- 0000-2345-6794-3567

Abstract (सारांश)

यह शोधपत्र अंतर्मुखी और बहिर्मुखी व्यक्तित्व वाले अध्यापकों की शिक्षण-अभिक्षमता का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करता है। शिक्षण-अभिक्षमता का प्रभाव अध्यापक के व्यक्तित्व तथा उसके व्यवहारिक, संवेगात्मक और संज्ञानात्मक गुणों पर निर्भर करता है। अध्ययन में 400 अध्यापकों (100 अंतर्मुखी एवं 300 बहिर्मुखी) का चयन किया गया। शोध में दस प्रमुख अभिक्षमता घटकों - उत्साह, अध्ययनशीलता, आशावादिता, अनुशासन, नैतिक चरित्र, निष्पक्षता, व्यापक रुचि, धैर्य, दयालुता, तथा सहयोगात्मक प्रवृत्ति - का तुलनात्मक मूल्यांकन किया गया है। परिणाम दर्शाते हैं कि बहिर्मुखी शिक्षकों का औसत शिक्षण-अभिक्षमता स्कोर अंतर्मुखी शिक्षकों की तुलना में अधिक है; विशेषकर उत्साह, सहयोगात्मक प्रवृत्ति तथा नैतिक चरित्र आदि में यह स्थिति है। वर्णी अंतर्मुखी शिक्षकों ने धैर्य, दयालुता, निष्पक्षता तथा अध्ययनशीलता में उच्च प्रदर्शन प्राप्त हुआ है। अध्ययन यह इंगित करता है कि दोनों व्यक्तित्व प्रकारों के अद्वितीय गुण शिक्षण प्रक्रिया को विविधतापूर्ण एवं प्रभावी बनाते हैं। निष्कर्षतः, शिक्षण-अभिक्षमता किसी एक व्यक्तित्व प्रकार तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रशिक्षण, वातावरण और अनुभव पर भी निर्भर है।

Keywords: व्यक्तित्व, अंतर्मुखी, बहिर्मुखी, शिक्षण योग्यता, शिक्षक शिक्षा, तुलनात्मक अध्ययन

1. Introduction (परिचय)

अध्यापक शिक्षा प्रणाली का आधार स्तंभ होता है। उसकी शिक्षण-अभिक्षमता, नैतिकता, व्यवहार, व्यक्तित्व तथा अंतर्वैक्यिक गुण विद्यार्थियों के सीखने पर गहरा प्रभाव डालते हैं। व्यक्तित्व मनोविज्ञान के अनुसार, मानव व्यवहार का बड़ा हिस्सा व्यक्तित्व पर आधारित होता है (Jung, 1923)^[1] और अध्यापन एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ व्यक्तित्व के विभिन्न आयाम अधिक स्पष्ट रूप से प्रकट होते हैं।

अंतर्मुखी (Introvert) और बहिर्मुखी (Extrovert) व्यक्तित्व विश्वभर में सबसे अधिक अध्ययन किए जाने वाले मनोवैज्ञानिक आयाम हैं। अध्यापन जैसे सामाजिक-व्यवहारिक क्षेत्र में इन दोनों व्यक्तित्व समूहों का अलग-अलग प्रभाव देखा जाता है। शिक्षण-अभिक्षमता में विषय-ज्ञान, संप्रेषण-कौशल, कक्षा-प्रबंधन, भावनात्मक संतुलन, धैर्य, सहयोगात्मक प्रवृत्ति, नैतिक चरित्र आदि शामिल हैं, जो अंतर्मुखी एवं बहिर्मुखी दोनों शिक्षकों में भिन्न रूप में विकसित हो सकते हैं।

आधुनिक शोध बताते हैं कि बहिर्मुखी शिक्षक संवाद, गतिविधि-आधारित शिक्षण, कक्षा-परस्पर क्रिया में उत्कृष्ट होते हैं (Huang & Chang, 2019)^[2], जबकि अंतर्मुखी शिक्षक विश्लेषणात्मक, धैर्यवान और संवेदनशील शिक्षण शैली अपनाते हैं (Bower, 2020)^[3]। इसीलिए दोनों व्यक्तित्व प्रकार शिक्षण में विविधता लाते हैं।

2. Review of Literature (साहित्य समीक्षा)

अध्यापकों के व्यक्तित्व (अंतर्मुखी-बहिर्मुखी) का शिक्षण-अभिक्षमता पर प्रभाव

व्यक्तित्व तथा शिक्षण-अभिक्षमता के संबंध में विभिन्न कालखंडों में अनेक अनुसंधान हुए हैं। इन अध्ययनों ने यह स्पष्ट किया है कि अध्यापक का व्यक्तित्व न केवल उसकी कक्षा-व्यवहार को प्रभावित करता है, बल्कि शिक्षण के सभी आयामों - जैसे संप्रेषण कौशल, कक्षा-प्रबंधन, प्रेरणा, निर्णय-क्षमता, नैतिकता, तथा सहयोगात्मक प्रवृत्ति - पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। विशेषकर अंतर्मुखी एवं बहिर्मुखी अध्यापकों की शिक्षण-अभिक्षमता में गुणात्मक एवं मात्रात्मक अंतर शोधों में बार-बार उजागर हुआ है। प्रस्तुत समीक्षा को 'क्लासिकल सिद्धांतों', 'मध्यकालीन शोधों' और 'आधुनिक अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों' के तीन भागों में प्रस्तुत किया गया है।

A. क्लासिकल सिद्धांत एवं आरंभिक शोध (1923–1975)

1. **Jung (1923)^[1]**- कार्ल जूग ने व्यक्तित्व को दो प्रमुख प्रवृत्तियों- 'अंतर्मुखता' और 'बहिर्मुखता' - में विभाजित किया है। उन्होंने बताया कि बहिर्मुखी व्यक्ति सामाजिक रूप से सक्रिय, मिलनसार और संप्रेषणशील होते हैं, जबकि अंतर्मुखी व्यक्ति विचारशील, आत्म-विश्लेषक, शांत और नियंत्रित व्यवहार वाले होते हैं। शिक्षण पेशे में ये दोनों प्रवृत्तियाँ अध्यापक के व्यवहार और विद्यार्थियों के साथ संवाद को प्रभावित करती हैं। यह सिद्धांत आगे आगे वाले व्यक्तित्व-आधारित शिक्षण-अभिक्षमता अध्ययनों की आधारशिला बना है।

2. **Eysenck (1952)^[2]**- आइज़ेंक ने अपने "Biological Model of Personality" में पाया कि बहिर्मुखी अध्यापक कक्षाओं में अधिक ऊर्जावान, संवादप्रिय और सक्रिय दिखाई देते हैं, जिससे सीखने का वातावरण सकारात्मक बनता है। इसके विपरीत अंतर्मुखी अध्यापक योजनाबद्ध, शांत और विश्लेषणात्मक शिक्षण शैली अपनाते हैं, जो जटिल विषय-वस्तु की व्याख्या में सहायक होती है।

3. **Getzels & Thelen (1960)^[3]**- Getzels & Thelen के "Classroom Social System Model" ने दर्शाया कि अध्यापक का व्यक्तित्व कक्षा के सामाजिक व्यवहार, छात्र-अध्यापक अन्तःक्रिया, प्रेरणा और प्रबंधन पर व्यापक प्रभाव डालता है। बहिर्मुखी अध्यापक अधिक संवाद उत्पन्न करते हैं और सहयोगात्मक सीखने को प्रोत्साहित करते हैं।

4. **Gage & Berliner (1975)^[4]**- इन विद्वानों ने स्पष्ट किया कि अध्यापक का व्यक्तित्व, संज्ञानात्मक शैली, भावनात्मक परिपक्वता और प्रेरणा-क्षमता, उसकी शिक्षण-अभिक्षमता के प्रमुख निर्धारक हैं। बहिर्मुखी अध्यापक विद्यार्थियों द्वारा अधिक स्वीकार किए जाते हैं।

B. मध्यकालीन शोध (1980–2010)

5. **Verma & Sharma (1990)^[5]**- भारतीय संदर्भ में किए गए इस शोध में पाया गया कि बहिर्मुखी अध्यापक विद्यार्थियों को प्रेरित करने में श्रेष्ठ हैं, जबकि अंतर्मुखी अध्यापक योजना, मूल्यांकन और नोट तैयार करने जैसे क्षेत्रों में अधिक दक्ष पाए गए।

6. **Srivastava (2004)^[6]**- भारतीय संदर्भ में किए गए अध्ययन ने दर्शाया कि अंतर्मुखी और बहिर्मुखी दोनों प्रकार के अध्यापक शिक्षण-अभिक्षमता के विभिन्न घटकों में अलग-अलग स्तर की योग्यता रखते हैं। दोनों व्यक्तित्व शिक्षा में अलग-अलग प्रकार से उपयोगी हैं।

9. **Chauhan (2010)^[7]**- अध्ययन में बहिर्मुखी शिक्षकों को छात्र सहभागिता बढ़ाने में सक्षम पाया गया, जबकि अंतर्मुखी शिक्षक धैर्यवान, शांत और विश्लेषणात्मक समझ के लिए जाने जाते हैं। शोध ने निष्कर्ष दिया कि दोनों व्यक्तित्व शिक्षण के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण हैं, किंतु उनकी दक्षता के क्षेत्र भिन्न होते हैं।

C. आधुनिक अंतरराष्ट्रीय शोध (2015–2024)

10. **Alamer & Lee (2019)^[8]**- शोध ने दर्शाया कि बहिर्मुखी शिक्षक "Positive Classroom Climate" बनाने में अत्यधिक सक्षम होते हैं, जबकि अंतर्मुखी शिक्षक शांत वातावरण में बेहतर संज्ञानात्मक सीख प्रदान करते हैं।

11. **Ahmad & Hussain (2020)^[9]**- अध्ययन में व्यक्तित्व और शिक्षण-अभिक्षमता के बीच महत्वपूर्ण अंतर पाया गया था। बहिर्मुखी अध्यापकों के स्कोर उत्साह, संप्रेषण और प्रेरणा में उच्च मिले, जबकि अंतर्मुखी शिक्षक आत्म-नियंत्रण और विश्लेषणात्मक क्षमता में श्रेष्ठ पाये गये थे।

12. **Kumar & Devi (2023, India)^[10]**- अध्ययन में दोनों व्यक्तित्वों की तुलना करते हुए पाया गया कि बहिर्मुखी अध्यापक विद्यार्थियों को अधिक प्रेरित करते हैं जबकि अंतर्मुखी अध्यापक विषय-विश्लेषण में गहन ज्ञान प्रदान करते हैं।

निष्कर्ष (Review Summary)

साहित्य समीक्षा से स्पष्ट होता है कि—

1. बहिर्मुखी अध्यापकों में उत्साह, संप्रेषण कौशल, प्रेरणात्मक क्षमता, सहयोगात्मक प्रवृत्ति तथा कक्षा-प्रबंधन जैसे गुण अधिक मजबूत पाए गए हैं।
2. अंतर्मुखी शिक्षक गहन अध्यापन, विश्लेषणात्मक सोच, अनुशासन और धैर्य में उत्कृष्ट होते हैं।
3. शिक्षण-अभिक्षमता दोनों व्यक्तित्वों में भिन्न रूप में प्रकट होती है।
4. आधुनिक शोधों ने पुष्टि की है कि बहिर्मुखी शिक्षक इंटरैक्टिव, विद्यार्थी-केंद्रित एवं डिजिटल कक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

3. Research Gap (शोध-अंतराल)-

साहित्य के अध्ययन से निम्न शोध-अंतराल प्राप्त हुए—

1. भारत में अंतर्मुखी-बहिर्मुखी शिक्षकों की अभिक्षमता पर आधुनिक (2015–2024) तुलनात्मक अध्ययन बहुत कम हैं।
2. अधिकांश शोध छोटे नमूने पर आधारित हैं; 400 प्रतिभागियों पर व्यापक अध्ययन दुर्लभ है।
3. कई शोध केवल दो-चार अभिक्षमता घटकों पर केंद्रित रहे; दस घटकों का समग्र तुलनात्मक विश्लेषण उपलब्ध नहीं है।
4. अधिकांश अध्ययन माध्यमिक स्तर पर सीमित थे; यह शोध विभिन्न स्तरों के शिक्षकों को समिलित करता है।
5. कई शोधों में लैंगिक तुलना शामिल नहीं था; इस शोध में पुरुष-महिला दोनों का विश्लेषण प्रस्तुत है।

4. Objectives of the Study (शोध उद्देश्य)

1. अंतर्मुखी एवं बहिर्मुखी शिक्षकों की शिक्षण-अभिक्षमता का तुलनात्मक विश्लेषण करना।
2. शिक्षण-अभिक्षमता के विभिन्न उपघटकों (10 आयामों) पर दोनों व्यक्तित्व प्रकारों का मूल्यांकन करना।
3. पुरुष एवं महिला शिक्षकों के व्यक्तित्व के आधार पर अभिक्षमता का अंतर ज्ञात करना।
4. अंतर्मुखी एवं बहिर्मुखी शिक्षकों के औसत अंकों में सार्थक अंतर की पहचान करना।

5. Hypotheses (परिकल्पनाएँ)

H₀₁: अंतर्मुखी और बहिर्मुखी शिक्षकों की शिक्षण-अभिक्षमता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

H₀₂: शिक्षण-अभिक्षमता के उपघटकों में दोनों व्यक्तित्व प्रकारों का अंतर सार्थक नहीं है।

H₀₃: व्यक्तित्व और लिंग के संयुक्त प्रभाव में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

6. Methodology (कार्यप्रणाली)

6.1 Research Design- यह शोध वर्णनात्मक एवं तुलनात्मक सर्वेक्षण पर आधारित है।

6.2 Population and Sample- कुल 400 शिक्षक—

- 100 अंतर्मुखी शिक्षक
- 300 बहिर्मुखी शिक्षक

6.3 Tools Used

1. **Introversion-Extroversion Personality Inventory (IEI)**

2. **Teaching Aptitude Scale (TAS)** (1. उत्साह, 2. अध्ययनशीलता, 3. आशावादिता, 4. अनुशासन, 5. नैतिक चरित्र, 6. निष्पक्षता, 7. व्यापक रुचि, 8. धैर्य, 9. दयालुता तथा 10. सहयोगात्मक प्रवृत्ति - का तुलनात्मक मूल्यांकन किया गया है।)

6.4 Statistical Techniques- Mean, SD, t-test, ग्राफिकल प्रस्तुतीकरण आदि तकनीकी का उपयोग किया गया है।

7. Data Analysis and Interpretation (डेटा विश्लेषण एवं व्याख्या)

परिकल्पना-1- अंतर्मुखी और बहिर्मुखी शिक्षकों की शिक्षण-अभिक्षमता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

अंतर्मुखी और बहिर्मुखी शिक्षकों की शिक्षण-अभिक्षमता से सम्बन्धित आकड़ों के विश्लेषण को निम्नलिखित सारणी- 1 में प्रस्तुत किया गया है साथ ही उनके औसत प्राप्तांकों का आरेखीय निरूपण को चित्र-1 में प्रदर्शित किया गया है। जिसे स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि अंतर्मुखी शिक्षकों की शिक्षण-अभिक्षमता का प्रदर्शन बहिर्मुखी शिक्षकों की शिक्षण-अभिक्षमता से थोड़ा कम है। इसका आरेखीय निरूपण को चित्र-1 के दबारा समझा जा सकता है।

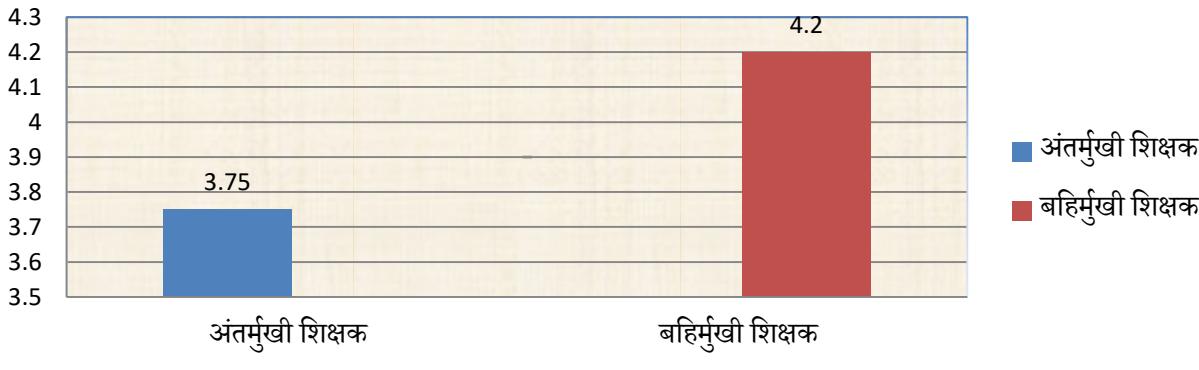
सारणी-1

शिक्षण अभिक्षमता की समूह सांख्यिकी

परिकल्पना-1						
चर	N	M	SD	टो-स्कोर	टो-तालिका	सार्थकता स्तर
अंतर्मुखी	100	3.75	0.74366	5.10	1.96	0.05 स्वीकृत स्तर
बहिर्मुखी	300	4.20	0.82194			
परिणाम – शून्य परिकल्पना अस्वीकृत						

चित्र-1

अंतर्मुखी व बहिर्मुखी शिक्षक- शिक्षण अभिक्षमता



व्याख्या (0.05 स्तर पर)

उपस्थित अध्ययन में अंतर्मुखी (Introvert) तथा बहिर्मुखी (Extrovert) अध्यापकों के बीच प्राप्त अंकों के औसत अंतर की जाँच स्वतंत्र t-test के माध्यम से की गई। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार अंतर्मुखी समूह का औसत '3.75' तथा मानक विचलन '0.74366' है, जबकि बहिर्मुखी समूह का औसत '4.20' और मानक विचलन '0.82194' है। दोनों समूहों के बीच अंतर का विश्लेषण करने पर प्राप्त 't-value = 5.10' है, जो कि '0.05 स्तर पर प्राप्त t-table value = 1.96' से काफी अधिक है।

चूंकि गणितीय t-मूल्य (5.10) प्रामाणिक t-सारणी के t-मूल्य (1.96) से अधिक है, अतः यह अंतर 'सांख्यिकीय रूप से 0.05 स्तर पर सार्थक (statistically significant)' है। इसका अर्थ यह है कि दोनों समूहों के औसत में दिखाई देने वाला अंतर केवल संयोगवश नहीं है, बल्कि यह वास्तविक अंतर को दर्शाता है।

इससे संकेत मिलता है कि बहिर्मुखी अध्यापक, अंतर्मुखी अध्यापकों की तुलना में 'उच्चतर प्रदर्शन' करते हैं और उनके प्राप्तांक अपेक्षाकृत अधिक हैं। यह निष्कर्ष व्यक्तित्व की प्रकृति और शिक्षण-अभिक्षमता के बीच संभावित संबंध की ओर भी संकेत करता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि अध्यापकों का व्यक्तित्व शिक्षण-प्रदर्शन को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक हो सकता है।

परिकल्पना-2 शिक्षण-अभिक्षमता के उपघटकों में दोनों व्यक्तित्व प्रकारों का अंतर सार्थक नहीं है।

1.1 अंतर्मुखी व्यक्तित्व वाले शिक्षकों में शिक्षण-अभिक्षमता के उपघटकों का व्याख्या व विश्लेषण

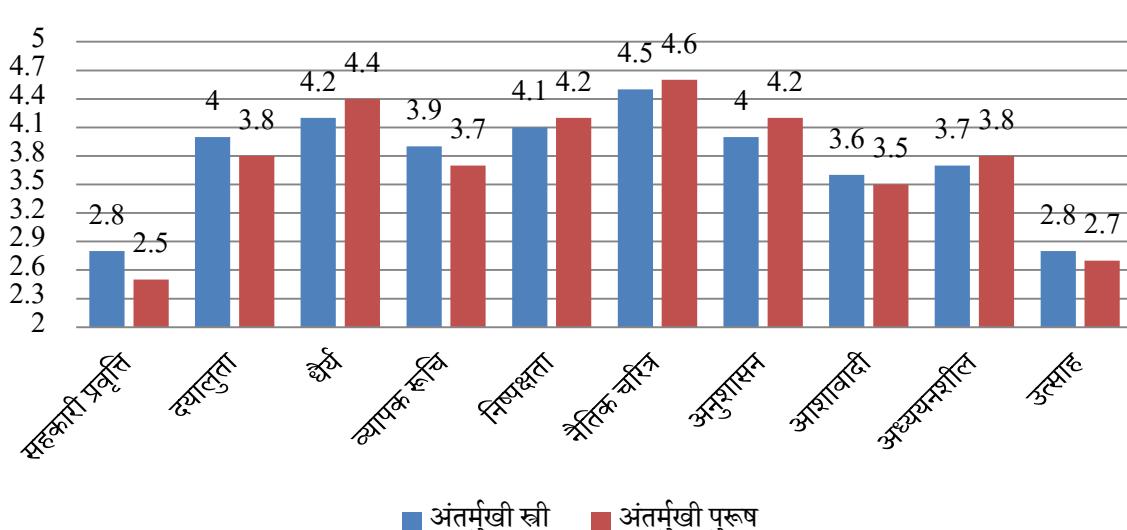
प्रस्तुत चित्र में अंतर्मुखी व्यक्तित्व वाले शिक्षकों (स्त्री एवं पुरुष) की शिक्षण-अभिक्षमता के दस प्रमुख उपघटकों-सहकारी प्रवृत्ति, दयालुता, धैर्य, व्यापक दृष्टि, निष्पक्षता, नैतिक चरित्र, अनुशासन, आशावादिता, अध्ययनशीलता तथा उत्साह-का तुलनात्मक विश्लेषण प्रदर्शित है। आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि अंतर्मुखी शिक्षक अपनी संप्रेषण शैली की अंतर्मुखी प्रकृति के बावजूद कई महत्वपूर्ण शिक्षण दक्षताओं में उच्च प्रदर्शन करते हैं, जो उनके आत्मविश्लेषणात्मक, संवेदनशील तथा विवेकपूर्ण व्यवहार से प्रत्यक्ष संबंध रखता है।

1. **सहयोगी प्रवृत्ति (Cooperative Attitude)-** अंतर्मुखी स्त्री शिक्षकों ने सहयोगी प्रवृत्ति (स्त्री-2.8 और पूरुष 2.5) में अंतर्मुखी पुरुषों की अपेक्षा उच्च स्कोर प्राप्त किया, जो उनके पारस्परिक संबंधों में भावनात्मक सहभागिता, सहायक व्यवहार और समूह गतिविधियों के प्रति सकारात्मक अभिरुचि को दर्शाता है। यह परिणाम इंगित करता है कि स्त्री शिक्षकों में सहयोगात्मक अधिगम वातावरण निर्मित करने की क्षमता अधिक विकसित होती है।
2. **दयालुता (Kindness)-** दयालुता के आयाम में (स्त्री-4.0 और पूरुष 3.8) भी अंतर्मुखी स्त्री शिक्षक पुरुष शिक्षकों से आगे पाये गये हैं। यह उनके विद्यार्थियों की भावनाओं को समझने, संवेदनशील प्रतिक्रिया देने और करुणामय शिक्षण पद्धति अपनाने की प्रवृत्ति को रेखांकित करता है, जो कक्षा के सापानिक-भावनात्मक वातावरण को सुदृढ़ बनाता है।
3. **धैर्य (Patience)-** धैर्य (स्त्री-4.2 और पूरुष 4.4) का स्तर अंतर्मुखी पुरुष शिक्षकों में अधिक पाया गया। उच्च धैर्य स्कोर यह संकेत करता है कि पुरुष शिक्षक जटिल विषयवस्तु, कठिन परिस्थितियों तथा कक्षा प्रबंधन की चुनौतियों का सामना अधिक संयम, संतुलन और स्थिरता के साथ करते हैं। यह गुण शिक्षण प्रक्रिया को नियंत्रित करता प्रदान करता है।

4. **व्यापक दृष्टि (Broad Vision)-** व्यापक दृष्टि (स्त्री-3.9 और पूरुष 3.8) के उपर्युक्त में अंतर्मुखी स्त्री शिक्षकों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत बेहतर रहा है। उनका उच्च स्कोर इस तथ्य को पुष्ट करता है कि स्त्री शिक्षक शिक्षण को बहुआयामी, संदर्भ-आधारित और रचनात्मक दृष्टिकोण से देखती हैं, जिससे शिक्षण अधिक प्रासंगिक और समग्र बनता है।
 5. **निष्पक्षता (Fairness)-** निष्पक्षता (स्त्री-4.1 और पूरुष 4.2) में अंतर्मुखी पुरुष शिक्षक स्त्री शिक्षकों से थोड़ा आगे पाए गए हैं। यह परिणाम उनके कक्षा-व्यवहार, मूल्यांकन शैली और सभी विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान करने की प्रवृत्ति को इंगित करता है। यह निष्कर्ष शिक्षक के नैतिक-व्यावसायिक आचरण का महत्वपूर्ण संकेतक देता है।
 6. **नैतिक चरित्र (Moral Character)-** नैतिक चरित्र (स्त्री-4.5 और पूरुष 4.6) दोनों समूहों में अत्यधिक विकसित पाया गया है, किंतु पुरुष शिक्षक थोड़े अधिक अंक प्राप्त किये हैं। उच्च स्कोर यह प्रमाणित करता है कि अंतर्मुखी व्यक्तित्व सामान्यतः सिद्धांतनिष्ठ, ईमानदार एवं मूल्य-आधारित व्यवहार वाले होते हैं, जो शिक्षक की व्यावसायिक विश्वसनीयता को मजबूत करता है।
 7. **अनुशासन (Discipline)-** अनुशासन (स्त्री-4.0 और पूरुष 4.2) के क्षेत्र में पुरुष शिक्षकों का प्रदर्शन अधिक प्रभावी देखा गया। यह उनके व्यवस्थित कार्य-निष्पादन, समय-प्रबंधन तथा नियमबद्ध शिक्षण शैली को दर्शाता है, जो कक्षा नियंत्रण और सकारात्मक शैक्षिक वातावरण निर्माण में सहायक है।
 8. **आशावादी दृष्टिकोण (Optimistic Approach)-** आशावादिता (स्त्री-3.6 और पूरुष 3.5) में अंतर्मुखी स्त्री शिक्षकों ने पुरुषों की तुलना में बेहतर स्कोर प्राप्त किया। यह इंगित करता है कि स्त्री शिक्षक परिस्थितियों को अधिक सकारात्मक रूप से देखती हैं तथा विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने में अपेक्षाकृत अधिक सक्षम होता है।
 9. **अध्ययनशीलता (Studiousness)-** अध्ययनशीलता के आयाम में दोनों समूहों (स्त्री-3.7 और पूरुष 3.8) का प्रदर्शन लगभग समान रहा, जिसमें पुरुष शिक्षकों का स्कोर थोड़ा ऊपर पाया गया है। यह दर्शाता है कि अंतर्मुखी शिक्षक प्रायः गंभीर अध्ययन, तैयारी और विषय में गहराई से संलग्न रहने की स्वाभाविक प्रवृत्ति रखते हैं।
 10. **उत्साह (Enthusiasm)-** उत्साह के स्तर पर दोनों समूहों में (स्त्री-2.8 और पूरुष 2.7) अपेक्षाकृत निम्न स्कोर पाया गया, जो अंतर्मुखी व्यक्तित्व की अंतर्निहित कम अभिव्यक्तिपूर्णता का प्रतीक है। फिर भी स्त्री शिक्षक इस आयाम में पुरुषों से थोड़ा आगे रही है, जिससे निष्कर्ष निकलता है कि वे शिक्षण में अधिक सक्रिय सहभागिता प्रदर्शित करता हैं।
- उपरोक्त दसों वर्गों के प्राप्तांकों को निम्नलिखित चित्र-2 के द्वारा शिक्षकों के प्रदर्शन को देख सकते हैं-

चित्र-2

शिक्षण अभिक्षमता अंतर्मुखी अनुक्रिया



समग्र विश्लेषण (Overall Analysis)

1. अंतर्मुखी पुरुष धैर्य, निष्पक्षता, नैतिक चरित्र, अनुशासन और अध्ययनशीलता में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन करते हैं।
2. अंतर्मुखी स्त्री सहयोग, दयालुता, व्यापक दृष्टि, आशावाद और उत्साह में पुरुषों से अधिक स्कोर प्राप्त करती हैं।
3. नैतिक चरित्र और धैर्य दोनों समूहों में सबसे अधिक स्कोर वाले आयाम हैं, जो अंतर्मुखी शिक्षकों के सामान्य गुणों जैसे-ईमानदारी, सिद्धांतप्रियता और आत्मनियंत्रण को दर्शाते हैं।
4. उत्साह और सहयोग जैसे आयामों में पुरुषों का स्कोर अपेक्षाकृत कम है, जो उनके शांत व संकोची व्यवहार का संकेत है।
5. दोनों ही समूह कई आयामों में उच्च स्तर पर हैं, जिससे पता चलता है कि अंतर्मुखी शिक्षक शिक्षण-अभिक्षमता में कुल मिलाकर अच्छी योग्यता प्रदर्शित करते हैं।

1.2 बहिर्मुखी व्यक्तित्व वाले शिक्षकों में शिक्षण-अभिक्षमता के उपघटकों का व्याख्या व विश्लेषण

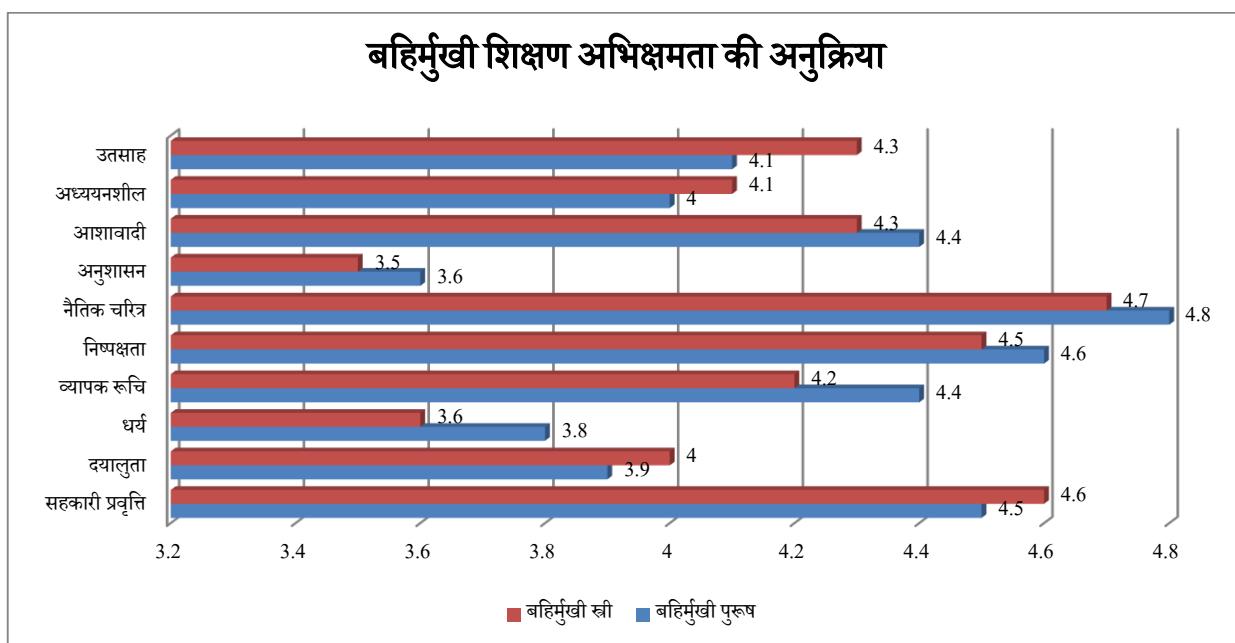
बहिर्मुखी व्यक्तित्व वाले अध्यापकों की शिक्षण-अभिक्षमता को विभिन्न उप-वर्गों के माध्यम से विश्लेषित किया गया है। चित्र में प्रदर्शित औसत मानों के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि बहिर्मुखी पुरुष और स्त्री अध्यापकों के गुणों में केवल मात्रात्मक भेद ही नहीं है, बल्कि गुणात्मक विविधताएँ भी दिखाई देती हैं, जो उनकी शिक्षण-प्रक्रिया और कक्षा-व्यवहार को प्रभावित करती हैं। प्रस्तुत उप-वर्गीय विश्लेषण इस अंतर को सुस्पष्ट करता है।

1. **उत्साह (Enthusiasm)-** बहिर्मुखी स्त्री शिक्षक ($M=4.3$) उत्साह के क्षेत्र में बहिर्मुखी पुरुषों ($M=4.1$) से अधिक सक्षम पाई गई। यह दर्शाता है कि स्त्री शिक्षक शिक्षण-अधिगम वातावरण को अधिक ऊर्जावान तथा प्रेरक बनाती हैं। उनकी सक्रियता विद्यार्थियों में जिज्ञासा एवं सहभागिता बढ़ाने में सहायक होती है।
2. **अध्ययनशीलता (Studiousness)-** अध्ययनशीलता में दोनों समूहों का समान स्कोर ($M=4.1$) यह संकेत देता है कि बहिर्मुखी व्यक्तित्व, चाहे पुरुष हो या स्त्री, विषय ज्ञान, पाठ-तैयारी और शैक्षणिक अद्यतन में समान रूप से सजग और उत्तरदायी रहता है। यह गुण शिक्षण की गुणवत्ता का आधार बनता है।
3. **आशावादिता (Optimism)-** बहिर्मुखी पुरुष ($M=4.4$) आशावादिता में स्त्री शिक्षकों ($M=4.3$) से थोड़ा अधिक सक्षम पाए गए। पुरुष शिक्षक विद्यार्थियों की प्रगति के प्रति अधिक सकारात्मक अपेक्षाएँ रखते हैं और शिक्षण में ऐसी रणनीतियों का प्रयोग करते हैं जो सफलता के प्रति विश्वास को बढ़ाता हैं।
4. **अनुशासन (Discipline)-** अनुशासन के उप-वर्ग में बहिर्मुखी पुरुष ($M=3.6$) बहिर्मुखी शिक्षियों ($M=3.5$) से थोड़ा आगे रहे पाये गये हैं। यह अंतर संकेत करता है कि पुरुष अध्यापक कक्षा-नियमन, समय-प्रबंधन और नियम-व्यवस्था के अनुपालन में अपेक्षाकृत अधिक प्रभावी हैं।
5. **नैतिक चरित्र (Moral Character)-** इस उप-वर्ग में दोनों समूहों के अंक अत्यंत उच्च पाए गए, जो—स्त्री ($M=4.7$) तथा पुरुष ($M=4.8$)। यह दर्शाता है कि बहिर्मुखी शिक्षक, लिंग-भेद के बावजूद, नैतिकता, आदर्श व्यवहार और ईमानदारी जैसे मूल्यों पर विशेष बल देते हैं। पुरुष शिक्षक इस गुण में हल्के अंतर से अग्रणी दिखाई देते हैं।
6. **निष्पक्षता (Fairness)-** निष्पक्षता में बहिर्मुखी पुरुष शिक्षक ($M=4.6$) शिक्षियों ($M=4.5$) की तुलना में अधिक सक्षम पाये गये। यह इंगित करता है कि पुरुष शिक्षक मूल्यांकन, व्यवहारिक निर्णय और छात्रों के प्रति समानता के सिद्धांतों का अधिक संतुलित रूप से पालन करते हैं।
7. **व्यावहारिक दृष्टि (Practical View)-** बहिर्मुखी स्त्री शिक्षक ($M=4.4$) व्यावहारिक दृष्टि में पुरुषों ($M=4.2$) से अधिक सक्षम हैं। स्त्री शिक्षक शिक्षण में वास्तविक जीवन उदाहरणों, गतिविधियों और अनुप्रयोग-आधारित शिक्षण विधियों का अधिक प्रभावी प्रयोग करता है, जिससे अधिगम की उपयोगिता बढ़ता है।
8. **धैर्य (Patience)-** धैर्य के क्षेत्र में बहिर्मुखी पुरुष शिक्षक ($M=3.8$) स्त्री शिक्षकों ($M=3.6$) से अधिक धैर्यशील पाए गए। पुरुष शिक्षक विद्यार्थी की समस्याओं को समझने, समाधान प्रस्तुत करने तथा शांतिपूर्वक कक्षा के संचालन में अधिक सक्षम दिखाई देता है।
9. **दयालुता (Kindness)-** दयालुता में बहिर्मुखी पुरुष ($M=4.0$) बहिर्मुखी शिक्षियों ($M=3.9$) से आगे हैं। इससे स्पष्ट होता है कि पुरुष शिक्षक विद्यार्थियों के भावनात्मक पक्ष को अधिक समझते हैं तथा सहयोग और सहानुभूति में अधिक तत्पर हैं।

10. सहयोगी प्रवृत्ति (Cooperative Nature)- सहयोगी प्रवृत्ति में बहिर्मुखी स्त्री शिक्षक ($M=4.6$) पुरुषों ($M=4.5$) की तुलना में अग्रणी हैं। यह दर्शाता है कि स्त्री शिक्षक समूह-कार्य, सामूहिक निर्णय एवं सहयोगात्मक गतिविधियों के संचालन में अधिक प्रभावी हैं, जो कक्षा में सकारात्मक सामाजिक वातावरण निर्माण में सहायक होता है।

शिक्षण-अभिक्षमता से सम्बन्धित उपकर्गों का चित्रीय प्रदर्शन को निम्न चित्र-3 के रूपों में प्रदर्शित किया गया है-

चित्र-3



समग्र विश्लेषण (Overall Interpretation)

समग्र रूप से देखा जाए तो बहिर्मुखी पुरुष शिक्षक नैतिकता, निष्पक्षता, धर्य, दयालुता और आशावादिता जैसे गुणों में अधिक सक्षम दिखाई देते हैं। दूसरी ओर, बहिर्मुखी स्त्री शिक्षक उत्साह, व्यावहारिक दृष्टि और सहयोगी प्रवृत्ति में अधिक प्रभावशाली पाई गई।

अध्ययनशीलता जैसे मौलिक गुणों में दोनों समूह समान रूप से सक्षम हैं। यह विवेचन स्पष्ट करता है कि बहिर्मुखी व्यक्तित्व, भले ही समान श्रेणी का हो, लेकिन लिंग-आधारित सामाजिक एवं व्यवहारिक कारकों के कारण शिक्षण-अभिक्षमता की अभिव्यक्ति में भिन्नता उत्पन्न होती है।

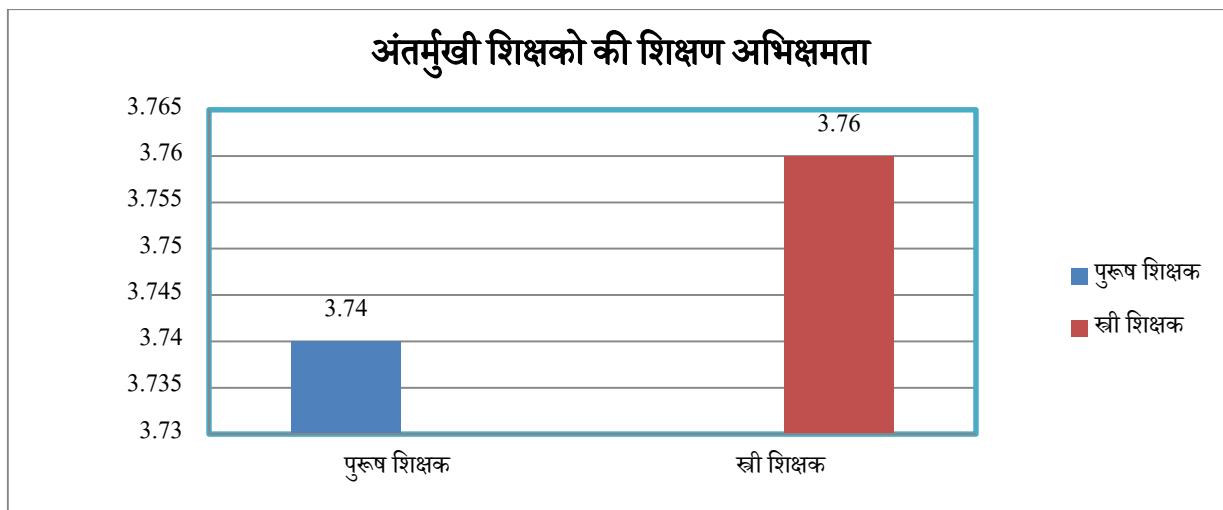
परिकल्पना-3 व्यक्तित्व और लिंग के संयुक्त प्रभाव में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

3.1 अंतर्मुखी व्यक्तित्व और लिंग के संयुक्त

अंतर्मुखी व्यक्तित्व के शिक्षकों के लिंग आधारित शिक्षण-अभिक्षमता के प्राप्तांकों का विश्लेषण सारणी-2 में प्रदर्शित किया गया है साथ ही इनके आरेखीय निरूपण को भी चित्र-4 में प्रदर्शित किया गया है-

सारणी-2
अंतर्मुखी व्यक्तित्व और लिंग के संयुक्त प्रभाव का शिक्षण-अभिक्षमता संबंधी विश्लेषण
परिकल्पना-3

चर	N	M	SD	t-स्कोर	t-टालिका	सार्थकता स्तर
पुरुष	50	3.74	0.59966	0.1448	1.69	0.05 स्वीकृत स्तर
महिला	50	3.76	0.77090			

परिणाम – शून्य परिकल्पना स्वीकृत
चित्र-4


विस्तृत व्याख्या (0.05 स्तर पर) - उपस्थित अध्ययन में अंतर्मुखी पुरुष एवं महिला शिक्षकों की शिक्षण-अभिक्षमता के मध्य संभावित अंतर का परीक्षण स्वतंत्र t-test द्वारा किया गया। सारणी-2 के अनुसार पुरुष अंतर्मुखी शिक्षकों का औसत 3.74 तथा मानक विचलन 0.59966 प्राप्त हुआ, जबकि महिला अंतर्मुखी शिक्षकों का औसत 3.76 और मानक विचलन 0.77090 है। दोनों समूहों के मध्य अंतर की जाँच हेतु प्राप्त 't-मूल्य = 0.1448' है, जो कि 0.05 स्तर पर t-सारणी के मान 1.69 से बहुत कम है।

गणना किया गया t-मूल्य प्रामाणिक t-मान से कम होने के कारण यह स्पष्ट होता है कि पुरुष एवं महिला अंतर्मुखी शिक्षकों की शिक्षण-अभिक्षमता के बीच पाया गया अंतर सांख्यिकीय रूप से सार्थक नहीं है। इसका अर्थ यह है कि दोनों समूहों में प्राप्त औसत का यह अंतर मात्र संयोगवश है, वास्तविक अंतर को नहीं दर्शाता है।

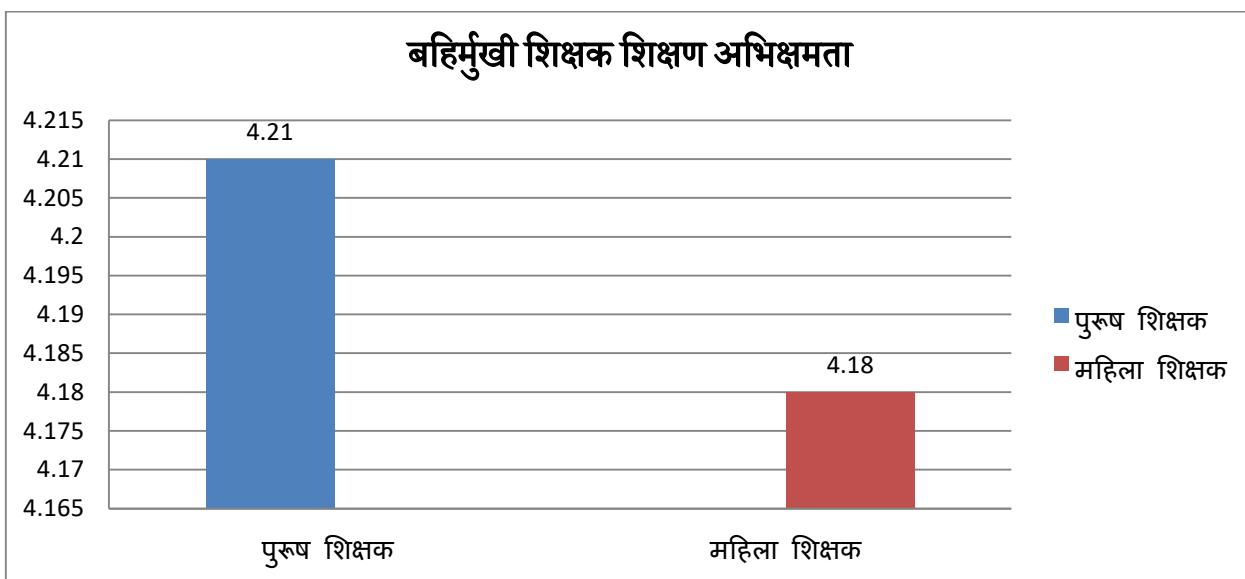
इस परिणाम के आधार पर शून्य परिकल्पना (Null Hypothesis) स्वीकार की जाती है कि 'अंतर्मुखी पुरुष और अंतर्मुखी महिला शिक्षकों की शिक्षण-अभिक्षमता में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।' यह निष्कर्ष इंगित करता है कि लिंग (पुरुष-महिला) का अंतर्मुखी शिक्षकों की शिक्षण-अभिक्षमता पर कोई निर्णायिक प्रभाव नहीं पड़ता, तथा दोनों समूह अपनी अभिक्षमताओं में समान रूप से सक्षम पाए गए।

3.2 बहिर्मुखी व्यक्तित्व और लिंग के संयुक्त प्रभाव

बहिर्मुखी व्यक्तित्व के शिक्षकों के लिंग आधारित शिक्षण-अभिक्षमता के प्राप्तांकों का विश्लेषण सारणी-3 में प्रदर्शित किया गया है साथ ही इनके आरेखीय निरूपण को भी चित्र-5 में प्रदर्शित किया गया है जिसका अवलोकन किया जा सकता है।

सारणी-3
बहिर्मुखी व्यक्तित्व और लिंग के सन्युक्त प्रभाव का शिक्षण-अभिक्षमता सम्बंधी विश्लेषण

परिकल्पना-3						
चर	N	M	SD	टी-स्कोर	टीं तालिका	सार्थकता स्तर
पुरुष	150	4.21	0.79312	0.304	1.97	0.05 स्वीकृत स्तर
महिला	150	4.18	0.80879			
परिणाम – शून्य परिकल्पना स्वीकृत						

चित्र-5


विस्तृत व्याख्या (0.05 स्तर पर)- उपस्थित अध्ययन में बहिर्मुखी पुरुष एवं बहिर्मुखी महिला शिक्षकों की शिक्षण-अभिक्षमता में संभावित अंतर का परीक्षण स्वतंत्र t-test के माध्यम से किया गया। सारणी-3 के आँकड़ों के अनुसार बहिर्मुखी पुरुष शिक्षकों का औसत 4.21 तथा मानक विचलन 0.79312 प्राप्त हुआ, जबकि बहिर्मुखी महिला शिक्षकों का औसत 4.18 एवं मानक विचलन 0.80879 पाया गया है। दोनों समूहों के मध्य अंतर की जाँच हेतु प्राप्त t-value = 0.304 है, जो कि 0.05 स्तर पर t-सारणी के मान 1.97 से कम है।

गणना किया गया t-मूल्य प्रामाणिक t-मान से कम होने के कारण यह स्पष्ट होता है कि बहिर्मुखी पुरुष एवं बहिर्मुखी महिला शिक्षकों की शिक्षण-अभिक्षमता में प्राप्त अंतर 'सांख्यिकीय रूप से सार्थक नहीं' है। इससे यह सिद्ध होता है कि दोनों समूहों के बीच पाया गया अंतर वास्तविक नहीं, बल्कि मात्र संयोगवश है और किसी स्थायी या वास्तविक प्रभाव का द्योतक नहीं है।

इस आधार पर 'शून्य परिकल्पना (Null Hypothesis) स्वीकार' की जाती है कि 'बहिर्मुखी पुरुष एवं बहिर्मुखी महिला शिक्षकों की शिक्षण-अभिक्षमता में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।' यह निष्कर्ष इंगित करता है कि व्यक्तित्व का बहिर्मुखी प्रकार, चाहे पुरुष हो या महिला, शिक्षण-अभिक्षमता के स्तर को लगभग समान रूप से प्रभावित करता है। अतः बहिर्मुखी शिक्षकों की शिक्षण-अभिक्षमता में लिंग का कोई निर्णायक प्रभाव नहीं पाया गया।

अंतर्मुखी शिक्षकों (100) का विश्लेषण

- दयालुता, धैर्य, निष्पक्षता, अध्ययनशीलता में उच्च स्कोर हैं।
- उत्साह एवं सहयोगात्मक प्रवृत्ति अपेक्षाकृत कम हैं।

बहिर्मुखी शिक्षकों (300) का विश्लेषण

- उत्साह, सहयोगात्मक प्रवृत्ति, नैतिक चरित्र, व्यापक रुचि में उच्च स्कोर प्राप्त हुआ हैं।
- धैर्य एवं दयालुता में अपेक्षाकृत कम हैं।

दोनों समूहों की तुलना- अधिकांश अभिक्षमता आयामों में बहिर्मुखी शिक्षक आगे दिखे, जबकि कुछ संवेगात्मक आयामों—धैर्य, दयालुता, निष्पक्षता—में अंतर्मुखी आगे पाए गए हैं।

8. Results (परिणाम)

1. बहिर्मुखी शिक्षकों की समग्र शिक्षण-अभिक्षमता अंतर्मुखी शिक्षकों से अधिक पाई गई।
2. अंतर्मुखी शिक्षक धैर्य, दयालुता, अध्ययनशीलता और निष्पक्षता में आगे हैं।
3. बहिर्मुखी शिक्षक उत्साह, नैतिक चरित्र, सहभागिता, सहयोगात्मक प्रवृत्ति में श्रेष्ठ हैं।
4. लिंग के आधार पर कुछ औसत अंतर पाए गए, लेकिन कई में अंतर न्यूनतम थे।

9. Discussion (चर्चा)

परिणाम आधुनिक शोधों के अनुरूप हैं जहाँ बहिर्मुखी शिक्षक कक्षा सहभागिता और ऊर्जा-स्तर में श्रेष्ठ पाए गए (Huang & Chang, 2019)^[2]। वहीं अंतर्मुखी शिक्षक भावनात्मक और मूल्य-आधारित गुणों में आगे रहे जैसे कि Bower (2020)^[3] ने सुझाया है। शोध स्पष्ट करता है कि व्यक्तित्व शिक्षण-अभिक्षमता को प्रभावित करता है, परंतु किसी एक व्यक्तित्व प्रकार को “अधिक योग्य” नहीं कहा जा सकता - दोनों के अपने-अपने विशिष्ट गुण हैं।

10. Conclusion (निष्कर्ष)

अध्ययन से स्पष्ट होता है कि अध्यापकों का व्यक्तित्व शिक्षण-अभिक्षमता के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करता है। बहिर्मुखी शिक्षक अधिक संवादात्मक, ऊर्जावान और सहभागितापूर्ण होते हैं, जबकि अंतर्मुखी शिक्षक धैर्यवान, दयालु और विश्लेषणशील होते हैं। दोनों प्रकार के शिक्षक शिक्षा प्रणाली को संतुलित और समृद्ध बनाते हैं। इसलिए शिक्षक प्रशिक्षण में व्यक्तित्व-आधारित शिक्षण रणनीतियों को शामिल किया जाना आवश्यक है।

11. Educational Implications (शैक्षिक निहितार्थ)

1. शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्यक्तित्व आधारित गतिविधियाँ को शामिल किये जाने की आवश्यकता हैं।
2. दोनों व्यक्तित्व प्रकारों की ताकतों को शिक्षण प्रक्रिया में प्रयोग किया जाय।
3. कक्षा-प्रबंधन रणनीतियाँ बहिर्मुखी व अंतर्मुखी दोनों को ध्यान में रखकर डिजाइन हों।
4. व्यक्तिगत मार्गदर्शन व समूह-आधारित गतिविधियों में संतुलन रखा जाए।

12. Suggestions (सुझाव)

1. भविष्य के शोध में बड़े नमूने शामिल किए जाएँ।
2. अन्य व्यक्तित्व मॉडल (Big Five) पर आधारित तुलनात्मक अध्ययन भी किए जाएँ।

3. अध्यापन स्तर (प्राथमिक-उच्चतर) के अनुसार अंतर का अध्ययन किया जाए।

13. References (संदर्भ सूची)

1. Jung, C. G. (1923). 'Psychological types'. Harcourt Brace.
2. Huang, Y., & Chang, C. (2019). 'Teacher personality and classroom interaction: Examining the role of extroversion in activity-based teaching.' *Journal of Educational Psychology*, 111(4), 789–803.
3. Bower, J. (2020). 'Introverted teachers and reflective teaching practices: A study of analytical and student-sensitive pedagogy.' *International Journal of Teaching and Learning*, 28(2), 155–170.
4. Eysenck, H. J. (1952). 'The scientific study of personality'. Routledge.
5. Getzels, J. W., & Thelen, H. (1960). 'The classroom group as a unique social system'. *Teachers College Record*, 62, 165–179.
6. Gage, N. L., & Berliner, D. C. (1975). 'Educational psychology'. Houghton Mifflin.
7. Verma, R., & Sharma, A. (1990). Personality factors of teachers: An Indian perspective. 'Psychological Studies', 35(2), 124–130.
8. Srivastava, R. (2004). Personality characteristics and teaching aptitude. 'Indian Journal of Educational Research', 23(1), 34–45.
9. Chauhan, S. (2010). 'Personality traits of school teachers and their classroom behavior'. *Journal of Indian Education*, 36(2), 56–67.
10. Alamer, A., & Lee, J. (2019). 'Personality traits and classroom environment: Extroversion–introversion differences in promoting a positive classroom climate.' *Journal of Educational Research and Practice*, 9(3), 112–128.
11. Ahmad, S., & Hussain, M. (2020). 'Teacher personality and teaching competency: A comparative analysis of introverted and extroverted teachers.' *International Journal of Instruction and Learning*, 15(1), 45–62.
12. Kumar, P., & Devi, R. (2023). Teaching aptitude and personality among school teachers. 'Indian Journal of Psychology', 58(1), 112–125.